'Biz Blasters' shows future secure: Atishi

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Education minister Atishi, while interacting with the second batch of students participating in the Business Blasters programme, said that government school students were not only generating profit, but also creating jobs for the economy.

She said these children "have shown that the future of the nation is in secure and capable hands".

Business Blaster is a practical component of the Entrepreneurship Mindset Curriculum (EMC) in which students are provided with Rs 2,000 each as seed money to build a business. This year, 100 top start-ups have been selected from among 2 lakh children. This is the second year of the scheme.

Among the projects was a QR code-based attendance system, smart road surface lights, electric bicycles, a smart logistics company and healthy chips.

The minister said she was impressed by the show

The QR-Code-based attendance system has been created by students of RPVV Surajmal Vihar which will make the work of schools and teachers easier. The team, TranQR, has developed a QR-based monogram that will serve as a virtual ID card for students. It will contain relevant information related to students. When a student enters school, a scanning device, similar to a FastTag, will record their attendance, and when they leave the premises, the QR code will be scanned again to mark the exit.

Team leader Tushar said: "We have registered our business with MSME and are working on further development in collaboration with a renowned scanner company in the country."

The smart road surface and illuminated zebra crossing by students of the Sarvodaya Bal Vidyalaya, Anandvas, focuses on safe crossings, with an emphasis on visually impaired individuals and children.

Students of the Government Boys Senior Secondary School, Holambi Kalan, converted old bicycles into electric cycles. The team successfully converted three bicycles and also made several conversions for their friends. They aspire to scale up operations and sell these electric bicycles at a lower price compared to existing market options, making them accessible to older age groups.

On Friday, Atishi was impressed by the show. "Today, our schoolchildren, through their hard work, are not only generating high revenues for themselves but are also providing employment to the needy. Very soon, these children will also eliminate the problem of unemployment in the country."

"The Business Blasters programme has proved that there is no dearth of talent in Delhi government schools. They just need opportunities to highlight their talent. The programme is an example that if changes are brought to India's education system, like in Delhi, the country could become Number 1 in the world. Through their remarkable business models and entrepreneurial skills, our children have shown that the future of the nation is in secure and capable hands," Atishi said.

'बेरोजगारी से देश को निजात दिलाएंगे बिजनेस ब्लास्टर्स'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार के बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में दो लाख टीमों में से शीर्ष 100 स्टार्टअप्स का चयन किया गया। शिक्षा मंत्री आतिशी ने प्रदर्शनी के लिए चयनित कुछ टीमों से मुलाकात की और उनके बिजनेस आइडियाज के बारे में जाना। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम ने साबित कर दिया है कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में टैलेंट की कमी नहीं है।

आतिशी •

आतिशी ने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम उदाहरण है कि यदि दिल्ली की तरह देश के शिक्षा व्यवस्था में बदलाव लाए जाए तो दुनिया का नंबर एक देश भारत जरुर बन सकता है।

अब हमारे छात्र अपने बिजनेस माडल से न केवल हजारों-लाखों का प्राफिट कमा रहे है बल्कि जरुरतमंदों को रोजगार भी दे रहे हैं। इस कार्यक्रम को छात्रों को रिस्क लेने, रोजमर्रा की चुनौतियों से बेहतर ढंग से निपटने में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है।

ये हैं कुछ प्रमुख बिजनेस माडल

- क्लासरूम अटेंडेंस का स्मार्ट साल्यूशन : क्यूआर कोड बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम। फास्टटैग की तरह स्कूल गेट पर लगे स्कैनर दर्ज करेंगे बच्चों की उपस्थिति।
- स्मार्ट रोड सर्फेस लाइट्स : लालबत्ती के साथ रंग बदलती जेब्रा क्रासिंग। सौर-उर्जा से चलने वाली ये लाइट्स पैदल यात्रियों को सड़क पार करने में सुगमता को देखकर डिजाइन की गई हैं।
- हेल्थी चिप्स : पालक, गाजर, चुकंदर से बने हेल्थी चिप्स। अब तक 800 से ज्यादा चिप्स के पैकेट की बिक्री हुई है।

अपने बिजनेस माडल के बारे में बताते विद्यार्थी • सौजन्य- दिल्ली सरकार

क्रवार को राजधानी का। न्यूनतम
या। शनिवार को भी दिल्ली के
र की वर्षा हो सकती है।

ह शुरू
की बैठक

? क्या गृह सचिव चिट्ठी लिख सकते सार यह एक अलग ली सरकार में आए एं हो रही हैं, जिनमें मंत्रियों के आदेशों रहे हैं। अध्यादेश ने निर्वाचित सरकार के का कारण बना दिया ात्मक परियोजनाएं यह दिल्लीवासियों फ है। इन कारणों सही निर्णय लिया निर्वाचित सरकार के ए, अन्यथा सरकार

को अध्यादेश जारी सरकार में मंत्रियों टकराव की कुछ हीने की शुरुआत नियंत्रण मंत्री फिर पीडब्ल्यूडी लायुक्त अश्विनी आरोप लगाया कुमार ने कहा था रहे हैं और झूठे ससे पहले सेवा यों ने भारद्वाज पर में उन्हें परेशान काने का आरोप

'बेरोजगारी से देश को छुटकारा दिलवाएंगे बिजनेस ब्लास्टर्स'

सरकार ने दो लाख टीमों में से शीर्ष 100 स्टार्टअप्स का चयन किया गया

बिज़नेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम के दूसरे साल की टॉप टीमों से मुलाकात कर उनके बिजनेस आइडियाज की जानकारी लेती शिक्षा मंत्री आतिशी। सौ. दिल्ली सरकार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में दो लाख टीमों में से शीर्ष 100 स्टार्टअप्स का चयन किया गया। शिक्षा मंत्री आतिशी ने प्रदर्शनी के लिए चयनित कुछ टीमों से मुलाकात की और उनके बिजनेस आइडियाज के बारे में जाना। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम ने साबित कर दिया है कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में टैलेंट की कमी नहीं है। बस मौका देने की जरुरत है।

आतिशी ने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम उदाहरण है कि यदि दिल्ली की तरह देश के शिक्षा व्यवस्था में बदलाव लाए जाए तो दुनिया का नंबर एक देश भारत जरुर बन सकता है। अब हमारे छात्र अपने बिजनेस माडल से न केवल हजारों-लाखों का प्राफिट कमा रहे है बल्कि जरुरतमंदों को रोजगार भी दे रहे है और अपनी इसी मेहनत की बदौलत ये बच्चे देश से बेरोजगारी की महामारी को भी दूर करेंगे। इस कार्यक्रम को हमारे छात्रों को रिस्क लेने, रोजमर्रा की चुनौतियों से बेहतर ढंग से निपटने में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है।

ये हैं कुछ प्रमुख बिजनेस माडल

क्लासरूम अटेंडेंस का स्मार्ट साल्यूशन : क्यूआर कोड बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम। फास्टटैग की तरह स्कूल गेट पर लगे स्कैनर दर्ज करेंगे बच्चों की उपस्थिति।

स्मार्ट रोड सर्फेस लाइट्स : लालबत्ती के साथ रंग बदलती जेब्रा क्रासिंग। सौर-उर्जा से चलने वाली ये लाइट्स पैदल यात्रियों को सड़क पार करने में सुगमता को देखकर डिजाइन की गई हैं।

हेल्थी चिप्स : पालक, गाजर, चुकंदर से बने हेल्थी चिप्स। अब तक 800 से ज्यादा चिप्स के पैकेट की बिक्री हुई है।